

की संगम-स्थली वाराणसी के शान्त वातावरण से युक्त सारनाथ के आस-पास कोई होटल, व्यापारिक केन्द्र अथवा आवासीय मकान आदि का निर्माण न होने दे तथा इस समय मूलगंध कुटी विहार भग्नावशेष क्षेत्र में जो होटल आदि बने हैं, उन्हें तत्काल हटा कर सारनाथ की धार्मिक पवित्रता, प्रतिष्ठा एवं प्राचीन संस्कृति को नष्ट होने से बचाने की कृपा करें।

(V) HIGH COURT BRANCH IN WESTERN UTTAR PRADESH

श्री रसोद मसूद (सहारनपुर) : जनाब डिप्युटी स्पीकर साहब, उत्तर प्रदेश एक बहुत बड़ी रियासत है और इस रियासत के ज्यादातर इलाकों के लिये इलाहाबाद हाई कोर्ट मुकदमात के फैसले करने का मजाज है, जिसकी वजह से उत्तर प्रदेश के मगरबी इलाकों के रहने वाले लोगों को अपने मुकदमात की पैरवी करने के लिये इलाहाबाद जाना पड़ता है, जिसमें बहुत ज्यादा वक्त और रुपया खर्च होता है। इस परेशानी को देखते हुए मगरबी जिलों के रहने वाले उत्तर प्रदेश के लोगों ने इलाहाबाद हाई कोर्ट की एक शाखा मगरबी जिलों में से किसी जिला में खोले जाने की मांग को लेकर एक सत्याग्रह चलाया था और मगरबी जिलों के तकरीबन सारे मेम्बराने-पार्लियामेंट ने भी यह मांग की थी, जिसपर सरकार ने एक कमीशन बिठा दिया, जिसकी अपनी रिपोर्ट छः महीने में पेश करनी थी। मगर इस कमीशन को रिपोर्ट पेश करने के लिये दो मर्तबा वक्त दिया जा चुका है और अब इस बात को तकरीबन एक साल हो गया है, जिससे लोगों में बेकरारी और बेचैनी बढ़ती जा रही है।

मेरी सरकार से मांग है कि वह अब इस कमीशन को एक्सटेंशन न दे और फौरन इलाहाबाद हाई कोर्ट की एक बेंच मगरबी जिलों में से किसी जिला में कायम करे, ताकि मगरबी जिलों में रहने वाले लोगों के वक्त और पैसे की बचत हो सके और उन लोगों को सस्ता इन्साफ मिल सके।

श्री रशید مسعود (सहारनपुर) جناب ڈپٹی اسپیکر صاحب۔ اترپردیش ایک بہت بڑی ریاست ہے اور اس ریاست کے زیادہ تر علاقوں کے لیے الہ آباد ہائی کورٹ مقدمات کے فیصلے کرنے کا مجاز ہے جس کی وجہ سے اترپردیش کے مغربی علاقوں کے رہنے والے لوگوں کو اپنی مقدمات کی پیروی کرنے کے لیے الہ آباد جانا پڑتا ہے جس میں بہت زیادہ وقت اور روپیہ خرچ ہوتا ہے۔ اس پریشانی کو دیکھتے ہوئے مغربی ضلعوں کے رہنے والے اترپردیش کے لوگوں نے الہ آباد ہائی کورٹ کی ایک شاخ مغربی ضلعوں میں سے کسی ضلع میں کھولے جانے کی مانگ کر ایک سٹیٹ گرو چلایا تھا اور مغربی ضلعوں کے تقریباً سارے ممبران پارلیمنٹ نے بھی یہ مانگ کی تھی جس پر سرکار نے ایک کمیشن بٹھا دیا جس کو اپنی رپورٹ چھ مہینے میں پیش کرنا تھی۔ مگر اس کمیشن کو رپورٹ پیش کرنے کے لیے دو مرتبہ وقت دیا جا چکا ہے اور اب بات کو تقریباً ایک سال ہو گیا ہے جس سے لوگوں میں بے کاری اور بے چینی بڑھتی جا رہی ہے۔ میری سرکار سے مانگ ہے کہ وہ اب اس کمیشن کو ایکشن نہ دے اور فوراً الہ آباد ہائی کورٹ کی ایک بینچ مغربی ضلعوں میں سے کسی ضلع میں قائم کرے تاکہ مغربی ضلعوں میں رہنے والے لوگوں کے وقت اور پیسے کی بچت ہو سکے اور ان لوگوں کو سستا انصاف مل سکے۔